# सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 256 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

चलिए आम चीजों से हट कर सोचें और एक ऐसा वातावरण बनाएं जहां इस तरह की सोच को प्रोत्साहन मिले और उसे पुरस्कृत किया जाए और जहां फेल होना भी ठीक हो।

– इलोन मस्क


गंभीर और रोहित ने किया पिच का... 7 | एकजुट दिखा देश का सबसे ... 3 | उपचुनाव में भाजपा जिलाध्यक्ष... 2


# प्रियंका गांधी ने नामांकन दाखिल कर की सियासत में ऑफिशियल एंट्री

» नामांकन से पहले रोड शो में उमड़ा भारी जनसैलाब

» राहुल गांधी का अभेद किला बहन प्रियंका गांधी को मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर अपनी सियासत की ऑफिशियल एंट्री की पहली शुरुआत कर दी है। प्रियंका गांधी ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पहले प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के साथ एक रोड शो किया। कांग्रेस महासचिव के नामांकन के इस रोड शो में भारी हुजूम दिखा।

प्रियंका के इस रोड पूरा गांधी परिवार एक साथ मौजूद रहा साथ ही कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इस रोड शो में मौजूद रहे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने सुबह 11 बजे के बाद कलपेट्टा न्यू बस स्टैंड से रोड शो की शुरुआत की, रोड शो में समर्थकों की भारी भीड़ अपने नेता के स्वागत में मौजूद रही।

## पहली बार सदन पहुंचेंगी प्रियंका गांधी

वायनाड से निर्वाचित होने पर प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य बनेंगी, वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं, उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिमेदारी निभा रही हैं। लोकसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद जून में कांग्रेस ने घोषणा की थी कि राहुल गांधी उर प्रदेश में रायबरेली संसदीय क्षेत्र रखेंगे और केरल की वायनाड सीट खाली कर देंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी चुनावी पारी की शुरुआत करेंगी। बड़ी बात होगी कि निर्वाचित होने के बाद प्रियंका गांधी पहली बार सांसद बनेंगी और यह भी पहली बार होगा कि गांधी परिवार के तीन सदस्य सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एक साथ संसद में बैठेंगे। वायनाड संसदीय सीट और 47 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को झारखंड विधानसभा के पहले चरण के मतदान के साथ होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

कांग्रेस की वायनाड वो अभेद किला है जिसे तोड़ना किसी भी पार्टी के लिए बहुत मुश्किल है। राहुल गांधी लगातार यहां से दो बार

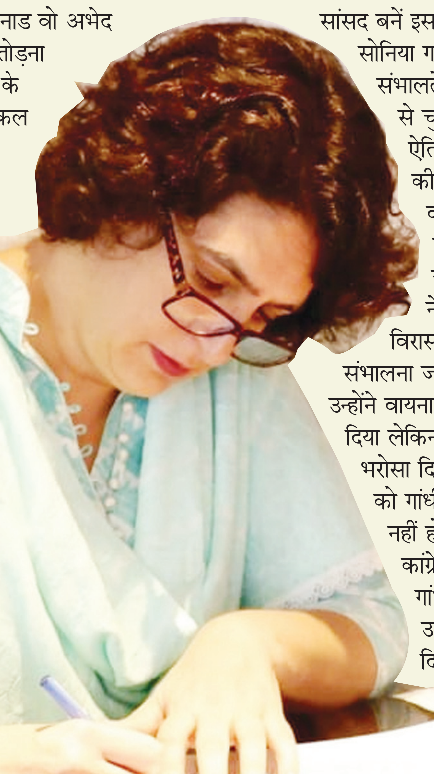

सांसद बनें इस राहुल गांधी ने मां सोनिया गांधी की विरासत को संभालते हुए रायबरेली सीट से चुनाव लड़ा और ऐतिहासिक जीत दर्ज की इसके साथ ही वायनाड में भी राहुल की बड़े मार्जिन से जीत हुई। राहुल गांधी ने सोनिया गांधी की विरासत वाली सीट संभालना जरुरी समझा इसलिए उन्होंने वायनाड सीट को छोड़ दिया लेकिन यहां की जनता को भरोसा दिया कि वो वायनाड को गांधी परिवार से अलग नहीं होने देंगे। इसलिए कांग्रेस ने यहां से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारते हुए ये संदेश दिया की ये सीट हमेशा गांधी परिवार के दिल के करीब रहेगी।

## प्रियंका का मुकाबला बीजेपी की नव्या हरिदास से होगा

प्रियंका गांधी का मुकाबला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के सत्यन मोकेरी और भारतीय जनता पार्टी की नव्या हरिदास से होगा। भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी नव्या हरिदास अपने सियासी अनुभव के बूते प्रियंका गांधी को चुनौती देंगी। सिंगापुर और नीदरलैंड में काम करके अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल कर चुकीं हरिदास एक सॉटवेयर इंजीनियर हैं, जो एक दशक तक कोझिकोड में एक पार्षद के रूप में भी काम कर चुकी हैं। राहुल गांधी ने वायनाड और रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी और बाद में उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी जिसके बाद इस सीट पर उपचुनाव होना है।

# यूपी उपचुनाव: सीट बंटवारे पर बन गई सपा-कांग्रेस में बात

» फूलपुर विधानसभा सीट से लड़ सकते हैं अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में सीट बंटवारे को लेकर सपा-कांग्रेस में कई दिनों से चल रही खींचतान के बाद अब बात बनती नजर आ रही है।

सूत्रों के मुताबिक ये जानकारी सामने आई है कि देर रात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच बातचीत हुई और उस बातचीत के बाद सपा और कांग्रेस में सीट बंटवारे को लेकर जो अड़चने आ रहीं थी वो अब खत्म होती नजर आ रही हैं।

माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी अब फूलपुर सीट कांग्रेस के लिए छोड़ सकती है और समाजवादी पार्टी ने अपने घोषित प्रत्याशी का नाम वापस ले लेगी।

## समाजवादी पार्टी ने मुस्तफा सिद्दीकी को दिया था टिकट

समाजवादी पार्टी पहले ही कांग्रेस के लिए गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीट छोड़ चुकी है और इसका औपचारिक ऐलान भी कर चुकी है, दो सीटें दिए जाने पर कांग्रेस असंतुष्ट नजर आ रही थी उनकी मांग थी कि फूलपुर सीट भी उसे दी जाए। मगर सपा ने फूलपुर से अपना उमीदवार पहले ही उतार दिया था, सपा ने पिछले चुनाव में महज 2000 वोटों से हारे मुस्तफा सिद्दीकी को फिर से फूलपुर से मैदान में उतारने का ऐलान किया था। माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी बुधवार रात तक कांग्रेस के लिए छोड़ी जाने वाली सभी सीटों का ऐलान कर देगी। उपचुनाव में कांग्रेस की तरफ से 5 सीटें दिए जाने की मांग की गई थी लेकिन समाजवादी पार्टी ने इसको अनदेखा करते हुए 7 उमीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया गया था। सपा के इस फैसले से कांग्रेस नाखुश देखी जा रही थी लेकिन अब शायद महाराष्ट्र और यूपी की सीटों को लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व में बात बनती हुई नजर आ रही है।

## सपा प्रत्याशी ने किया नामांकन

फूलपुर सीट से समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी की घोषणा पहले ही कर दी थी, वहीं बुधवार को सपा उम्मीदवार मुज्जतबा सिद्दकी ने फूलपुर सीट से अपना नामांकन भी कर दिया है। वहीं जब इसको लेकर फूलपुर पर समाजवादी पार्टी के पर्यवेक्षक इंद्रजीत सरोज से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्याशी ने नामांकन कर दिया है। कांग्रेस को सीट दिए जाने की मुझे कोई जानकारी नहीं है। वहीं जब उनसे कहा गया कि इसको लेकर खबरें चल रही हैं तो उन्होंने कहा कि हो सकता है कि मीडिया में मनगढ़ंत चर्चाएं चल रही हों।

# उपचुनाव में भाजपा जिलाध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं डीएम : अखिलेश यादव

## सपा प्रमुख ने कहा- चुनाव में गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों के जगह-जगह लगाएंगे पोस्टर

» कहा- महिलाओं की सुरक्षा के मामले में जीरो है प्रदेश में कानून-व्यवस्था

» भाजपा कितना भी जोर लगा ले लेकिन पीडीए एकजुट रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव में भाजपा को जिताने के लिए अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी भाजपा के जिला अध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं। जो अधिकारी गड़बड़ करेंगे हम उनकी शिकायत चुनाव आयोग में करेंगे और जगह-जगह उनके पोस्टर लगा देंगे।

उन्होंने महिला सिपाही के साथ हुए दुष्कर्म के मामले पर योगी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के मामले में प्रदेश में कानून व्यवस्था जीरो है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस दबाव में काम कर रही है। भाजपा ने पुलिस पर हथकड़ी लगा दी है। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन एकजुट है। उपचुनाव मिलकर लड़ेंगे। भाजपा कितना भी जोर लगा ले लेकिन पीडीए एकजुट रहेगा। उन्होंने एक साल में यूपी में गरीबी दूर करने के भाजपा के दावे पर कहा कि एक साल में तो सरकार ही चली जाएगी।

### भाजपा पर लगाया दंगा कराने का आरोप

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने बहराइच में दंगा करवाया है। ये लोग उपचुनाव में हार से डर गए हैं और अपनी नाकामी छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस भाजपा के दबाव में है। यूपी में फेक एनकाउंटर हो रहे हैं। सुल्तानपुर में मंगेश यादव का एनकाउंटर किया और जब सवाल उठने लगे तो एक ठाकुर का एनकाउंटर कर दिया। एक यादव की हत्या के बाद बैलेंस करने के लिए एक ठाकुर की हत्या कर दी। कहा कि जनता जब तक भाजपा को नहीं हटाएगी न्याय नहीं मिलेगा।

### कटेहरी विधानसभा सीट के लिए दाखिल हुआ नामांकन

इसके पहले, अंबेडकरनगर के कटेहरी कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सपा प्रत्याशी शोभावती वर्मा ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। उन्होंने दो सेट में पर्चा भरा। सांसद लालजी वर्मा, पूर्व मंत्री विधायक राम अचल राजभर, पूर्व सांसद विधायक त्रिभुवन दत्त और पूर्व एमएलसी हीरालाल यादव के साथ नामांकन करने के बाद शोभावती ने कहा कि कटेहरी की जनता उनके साथ है। जाति धर्म से ऊपर उठकर मतदाता उनका साथ देंगे।

## इकबाल खो चुकी है भाजपा सरकार: शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

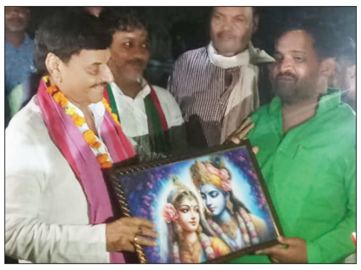

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज है ही नहीं। लगातार हत्याएं हो रही हैं। भाजपा सरकार इकबाल खो चुकी है और पूरा शासन प्रशासन नौकरशाही के हवाले है। ये बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहीं।

शिवपाल यादव अंबेडकरनगर के कटेहरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में शोभावती वर्मा के नामांकन कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। इस बीच जयसिंहपुर के पूर्व विधायक अरुण वर्मा ने तिंदौली गांव के पास काफिला रुकवाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष छात्रसभा विजय यादव ने भी राधाकृष्ण की फोटो देकर उन्हें सम्मानित किया। पत्रकारों के बात करते हुए इस दौरान शिवपाल यादव ने कहा कि उपचुनाव में समाजवादी पार्टी व उसके सहयोगी इंडिया गठबंधन प्रदेश की सभी सीटें जीतेंगी। मिल्कीपुर सीट पर कहा कि चुनाव आयोग इस सीट पर जब फैसला ले लेगा तो उस पर भी चुनाव होगा और मिल्कीपुर सीट भी समाजवादी पार्टी ही जीतेगी।

बहराइच घटना पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोगों की कराई हुई यह घटना है। सभी ने देखा खुद भाजपा के विधायक ने भाजपा के लोगों पर एफआईआर लिखवाया है। सुल्तानपुर में अंडा व्यापारी हत्याकांड पर शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार निष्पक्ष नहीं है। ये बेईमान सरकार है और इसलिए पूरे प्रदेश में घटनाएं हो रही हैं।

## प्रदेश सरकार दिव्यांगों के साथ कर रही तानाशाही और बर्बरता : जयराम ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी में कांग्रेस सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरते हुए नौकरी देने के बजाए छीनने वाली सरकार का नाम दिया है। उन्होंने कहा कि पेंशन वाली पक्की और 58 साल नौकरी की गारंटी देने वाले अब कच्ची नौकरी वालों को भी घर बैठा रहे हैं।

कॉस्ट कटिंग के नाम पर आज बिजली बोर्ड के 80 से ज्यादा ड्राइवरों की सेवाएं सरकार ने समाप्त कर दी। पिछले दिनों बिजली बोर्ड के इंजीनियरिंग वर्ग के 51 पदों को डिनोटिफाई कर दिया गया है। जिसका मतलब हुआ कि वे सारे पद खत्म हो गए हैं। चार दिन पहले नादौन में जल शक्ति विभाग के सबसे ज्यादा आउटसोर्स कर्मचारी को बाहर कर दिया। लोगों को नौकरियां से निकालना, कर्मचारियों का वेतन रोकना आउटसोर्स के कर्मचारियों को कई-कई महीने वेतन न देना सुक्खू सरकार की दिनचर्या का हिस्सा हो गया है।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और सरकार के सारे मंत्री हर दिन सिर्फ बड़ी-बड़ी हांकते हैं जबकि फैसले इतने छोटे दिल के साथ ले रहे हैं कि किसी घर में चूल्हा जले या न जले इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। जो कर्मचारी सालों से सेवाएं दे रहे हैं। जो अपने जीवन का बड़ा हिस्सा इस सेवा में खपा चुके हैं।

ऐसे निष्ठावान कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि वह लोग अब जाएं तो कहां जाएं। उनके परिवार का अब ऐसे हाल में क्या होगा। ये सोचने वाली बात है लेकिन सरकार इतनी संवेदनहीन हो चुकी है कि इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

## झारखंड चुनाव में आरजेडी को मिलीं 6 सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने छह उम्मीदवारों की अपनी सूची जारी कर दी है। मंगलवार को इस घटनाक्रम से कई बातें साफ हो गई हैं। साथ ही 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध समाप्त हो गया है। राज्य में विधानसभा चुनाव 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

हालांकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को कहा था कि 12 से कम सीट उसे स्वीकार्य नहीं होंगी और अगर अकेले चुनावी मैदान में उतरना पड़ा, तो उस स्थिति में भी वह 'इंडिया' गठबंधन की संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

राजद ने एक बयान में कहा कि उसने देवघर से सुरेश पासवान, गोड्डा से संजय प्रसाद यादव और कोडरमा से सुभाष यादव को उम्मीदवार बनाया है। बयान में कहा गया है कि रश्मि प्रकाश चतरा से, नरेश प्रसाद सिंह विश्रामपुर से और संजय कुमार सिंह यादव हुसैनाबाद से चुनाव लड़ेंगे। उम्मीदवारों की घोषणा राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा यह कहे जाने के बाद की गई कि सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। तेजस्वी यादव झारखंड में चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

### पार्टी का दावा : छह सीटों पर जीतेंगे, पहले से कर ली तैयारी

आरजेडी कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस बार विधानसभा चुनावों में पहले से ही तैयारी कर रखी है और हमें पूरा भरोसा है कि आम जनता हमें चुनेगी। हमारे उम्मीदवारों ने भी अपने इलाके में जनता के बीच रहकर कई काम किए और करवाए हैं। इस बार चुनावों में बड़ी जीत का भरोसा है। यहां कार्यकर्ता, संगठन और जनता के साथ सीधा संपर्क होने से यह संभावना है कि सभी 6 सीटों पर हमारे उम्मीदवार ही जीतेंगे। आरजेडी नेता ने कहा है कि लोगों को सही और झूठ की पहचान होती है। इस बार झारखंड के भविष्य का चुनाव होने जा रहा है, ऐसे में एक-एक सीट महत्वपूर्ण है और हम इंडी गठबंधन के साथ इस चुनाव को जीतेंगे।

## पप्पू यादव के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के खिलाफ 31 साल पुराने मामले में गाजीपुर की MP-MLA कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। 1993 से जुड़े एक मामले में कोर्ट में उपस्थित होने के लिए कोर्ट ने समन जारी किया था। लेकिन पप्पू यादव कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। जिसके बाद कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया।

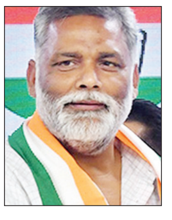

गौरतलब है कि पप्पू यादव और 11 अन्य के खिलाफ अचार संहिता उल्लंघन और सरकारी काम में बाधा डालने का मामला चल रहा है। कोर्ट ने सभी को उपस्थित रहने का आदेश दिया था। लेकिन पप्पू यादव पेश नहीं हुए। जिसके बाद पप्पू यादव समेत 11 लोगों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी।

दरअसल, 8 नवंबर 1993 को थाना मुहम्मदाबाद में तत्कालीन थानाध्यक्ष वीएन सिंह ने एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हालांकि, 2023 में तत्कालीन जिला जज शारद कुमार चौधरी ने संदेह का लाभ देते हुए सभी को बरी कर दिया था। जिसके खिलाफ अपील दायर की गई है, जिसमें कोर्ट ने पप्पू यादव समेत सभी को तलब किया था।

# एकजुट दिखा देश का सबसे बड़ा सियासी परिवार

## तेजप्रताप यादव के नामांकन में अखिलेश, डिंपल, शिवपाल व रामगोपाल आए नजर

- » मुलायम सिंह के छोटे भाई अभयराम यादव भी पहुंचे
- » सभी ने एक आवाज में तेजप्रताप और सपा की जीत का दावा किया
- » अब धीरे-धीरे पट चुकी है सैफई परिवार में आई दरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। लोकसभा चुनाव के बाद अब यूपी में उप चुनाव और विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। लेकिन इसी बीच अब ऐसा नजारा सामने आ रहा है जो की प्रदेश की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है। दरअसल सैफई परिवार में आई दरार अब धीरे धीरे पटती हुई नजर आ रही है। मुलायम सिंह के जमाने से चला आ रहा ये बड़ा कुनबा अब और मजबूत हो रहा है। मुलायम सिंह यादव के बाद फिर एक बार सियासत का सबसे बड़ा कुनबा सोमवार को मैनपुरी में एक नजर आया।

मौका था करहल सीट से तेजप्रताप यादव के नामांकन का। अखिलेश यादव और डिंपल के साथ ही शिवपाल और प्रो. रामगोपाल भी नजर आए। नेताजी के सामने सैफई परिवार में आई दरार उनके जीते-जी तो नहीं पट सकी, लेकिन उनके निधन के बाद शायद सियासत के सबसे बड़े कुनबे ने आपसी मतभेदों को भुलाने का संकल्प लिया है। तभी तो सोमवार को पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव के करहल सीट से नामांकन में पूरा सैफई कुनबा एक नजर आया। खुद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिंपल यादव, बेटी अदिति और सांसद धर्मेंद्र यादव के साथ पहुंचे। वहीं, चाचा शिवपाल सिंह यादव भी अपने बेटे सांसद आदित्य यादव के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके अलावा सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और मुलायम सिंह के छोटे भाई अभयराम यादव भी पहुंचे। अभयराम यादव को छोड़कर सभी एक साथ नामांकन कराने पहुंचे। परिवार के अन्य सदस्य तो डिंपल यादव के नामांकन में एक साथ नजर आए थे, लेकिन शिवपाल ने दूरी बनाई थी। सभी ने एक आवाज में तेजप्रताप यादव और सपा की जीत का दावा किया। प्रोफेसर रामगोपाल ने तो यहां तक कह दिया कि करहल में चुनाव एकतरफा होगा। सैफाई परिवार की एकजुटता का लाभ उन्हें करहल चुनाव में भी मिल सकता है। दरअसल, पहले से ही करहल विधानसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण सपा के हक में रहे हैं। इस बीच, अब सैफई परिवार के एकजुट होने के चलते गुटबंदी पर भी लगाम लग जाएगी।

### पहले बाबा ने छोड़ी थी सीट, अब चाचा की विरासत की जिम्मेदारी

पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव 2014 के उप चुनाव में मैनपुरी से पहली बार सांसद चुने गए थे। तब मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी सीट से जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। दरअसल, उन्होंने आजमगढ़ से सांसद रहने का निर्णय लिया था। उप चुनाव में उन्होंने अपने पौत्र तेजप्रताप यादव को चुनाव लड़ाकर जीत दिलाई थी। वहीं, अब करहल सीट अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। ऐसे में अब तेजप्रताप पर अपने चाचा अखिलेश यादव की सीट की जिम्मेदारी है। यहां से बात भी दिलचस्प है कि 1996 में मुलायम ने मैनपुरी सीट से पहला लोकसभा चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी, वहीं अखिलेश ने करहल सीट से 2022 में पहला विधानसभा चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी।

### अखिलेश ने पूरे परिवार के साथ पोस्ट की तस्वीर

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी परिवार की एकजुटता का संदेश नामांकन के दौरान दिया। नामांकन स्थल पर पूरे परिवार के साथ खींची गई तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने करहल में सपा की जीत का दावा किया। साथ ही कलेक्ट्रेट पर ही नामांकन के बाद पत्रकारों के संबोधन के दौरान पहले चाचा शिवपाल सिंह यादव को बोलने का मौका दिया।

# सम्मानजनक समझौते के बिना उपचुनाव में नहीं उतरेगी कांग्रेस

### सबसे बड़ा पेंच गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीटों को लेकर है

## कांग्रेस अपने लिए पांच सीटों पर कर रही है दावेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में नौ सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव से कांग्रेस ने फिलहाल किनारा कर लिया है। समाजवादी पार्टी ने गठबंधन के तहत कांग्रेस को गाजियाबाद और खैर की दो विधानसभा सीटें दी है, जबकि कांग्रेस अपने लिए पांच सीटों पर दावेदारी कर रही है। कांग्रेस गाजियाबाद और खैर की बजाय अपने लिए सीसामऊ, फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही है। इन सीटों पर समाजवादी पार्टी से बात न बनते देख कांग्रेस ने दबाव बढ़ा दिया है। पार्टी ने कहा है कि यदि उसे सम्मानजनक सीटें नहीं मिलीं तो वह चुनाव से दूर रहेगी।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सबसे बड़ी पेंच गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीटों को लेकर है। ये दोनों सीटें ऐसी हैं जहां कांग्रेस लंबे समय से जीत दर्ज नहीं कर पाई है। यदि उपचुनाव में वह इन सीटों पर उतरती है तो भी उसके लिए, जीत की संभावनाएं बहुत कम रहेंगी। जबकि यदि फूलपुर और मझवां सीटों पर वह उतरती है तो न केवल उसको जीत मिल सकती है, बल्कि इन क्षेत्रों में उसकी कमजोर होती पकड़ को भी मजबूती मिल सकती है। यही कारण है कि कांग्रेस ने इन सीटों को लेकर अपना दबाव बढ़ा दिया है। वहीं, इन सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुके अखिलेश यादव के लिए पीछे हटना मुश्किल हो रहा है। यही कारण है कि दोनों दलों में पेंच फंस गया है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, यूपी अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश में पार्टी की स्थिति को देखते हुए अपनी ओर से मजबूत दावेदारी करने के अपने निर्णय से पार्टी आलाकमान को अवगत करा दिया है। अब सपा और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस पर अंतिम निर्णय लेगा। लेकिन ज्यादा संभावना इसी बात की है कि यदि सपा कांग्रेस को उसके मन मुताबिक सीटें नहीं देती है तो कांग्रेस उपचुनाव में नहीं उतरेगी। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, सपा को सीटों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार करना पड़ेगा।

### महाराष्ट्र में भी अखिलेश को कमजोर करना लक्ष्य

दरअसल, सपा अध्यक्ष यूपी के अलावा कुछ अन्य राज्यों में अपना पैर पसारकर अपनी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाना चाहते हैं। इसी कोशिश में वे हरियाणा भी गए थे, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। अब वे महाराष्ट्र में भी इसी जुगत में लगे हैं। लेकिन सपा के मैदान में आने से लगभग एक दर्जन सीटों पर मुसलमान वोटों में बंटवारा हो सकता है। इसका नुकसान इंडिया गठबंधन के दलों को होगा। माना जा रहा है कि यूपी में दबाव बढ़ाकर कांग्रेस नेतृत्व सपा को महाराष्ट्र में एक-दो सीटों पर समेटने का दांव भी आजमा रहा है, जो कम से कम एक दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

### अखिलेश की गलतफहमी दूर करना भी लक्ष्य

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन को किन कारणों से सफलता मिली थी, इसको लेकर अखिलेश यादव के मन में कुछ गलतफहमी है। उन्हें लगता है कि उन्होंने जो पीडीए समीकरण बनाया था, वह उनके पक्ष में गया है। जबकि कांग्रेस नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी ने संविधान और आरक्षण को लेकर जो माहौल बनाया था, उसके कारण पिछड़े, दलित और मुसलमान कांग्रेस-सपा गठबंधन के साथ आए और उसे जीत मिली। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, लेकिन अखिलेश यादव इस कारण को स्वीकार नहीं करना चाहते। वे जीत का पूरा श्रेय अपने हिस्से में ले जाना चाहते हैं और कांग्रेस को उसकी उचित हिस्सेदारी नहीं देना चाहते। कांग्रेस नेताओं की चिंता है कि यदि इस उपचुनाव में ही वह दबाव में रह जाती है तो 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी सपा उसे इसी तरह बहुत कम सीटों पर निपटाने की कोशिश कर सकता है। इसलिए वह समय रहते अपनी ताकत को आजमाना चाहती है और सपा से सम्मानजनक समझौता चाहती है जिससे आने वाले समय में भी उसकी स्थिति मजबूत रहे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# हम भरोसा करना छोड़ चुके हैं तो दोषी कौन है?

> आज हर रिश्ते असंवेदी हो चुके हैं, हम किसी पर भी यकीन नहीं करते। ऐसा नहीं है कि भरोसा टूटने की कोई एक वजह है। आज हर गलत परिणति को विदेशी संस्कृति के प्रभाव का परिणाम कह देने का चलन या यूं कहें कि फैशन बन चुका है। व्यक्ति, समाज और देश सभी एक दूसरे से अंतर्संबंधित हैं।

*इस कलयुग के दौर में आए-दिन कोई न कोई घटना सामने आती रहती हैं। ऐसे में अक्सर ही आपने सुना होगा कि प्यार मोहब्बत के धोखे ने कई लोगों की जिंदगी उजाड़ कर रख दी हैं। कहीं किसी ने भरोसा तोड़ा तो किसी ने भरोसा करके छोड़ दिया। परमात्मा को शुक्रिया कहें कि अगर आज वो किसी और के लिए आपको छोड़ कर चला गया, क्या होता अगर डोर बंध जाने के बाद वो चला गया होता। ये वक्त आरोप प्रत्यारोप लगाने मे बर्बाद मत करें। खुद से सिर्फ ये पूछें के आपने इससे क्या सीखा। उस जाने वाले पर गुस्सा होने से अच्छा है के आप ये सोचें के आपसे कहाँ गलती हुई जो आप उसे पहचान नहीं सकी। हमने भी कहीं पढ़ा था, 'जैसे ही हम भरोसा करना छोड़ देते हैं, वैसे ही हम खुद को भीतर से बंद कर लेते हैं और अकेलेपन की कंदरा में खो जाते हैं। हम प्यार कम करते हैं और डरते ज्यादा हैं।' सच है कि इंसानी रिश्तों का मनोविज्ञान बिल्कुल बदल चुका है। आज हर रिश्ते असंवेदी हो चुके हैं, हम किसी पर भी यकीन नहीं करते। ऐसा नहीं है कि भरोसा टूटने की कोई एक वजह है। आज हर गलत परिणति को विदेशी संस्कृति के प्रभाव का परिणाम कह देने का चलन या यूं कहें कि फैशन बन चुका है। व्यक्ति, समाज और देश सभी एक दूसरे से अंतर्संबंधित हैं। अगर समाज ऐसा बन चुका है जहां हम भरोसा करना छोड़ चुके हैं तो दोषी कौन है?*

*इसमें कोई समाज या सरकार या समूह दोषी नहीं है, बल्कि समस्त मनुष्य बिरादरी जिम्मेदार है। दरअसल, आज कल के लोगों की महत्वाकांक्षाएं इतनी बढ़ चुकी हैं कि लोग रिश्तों को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल कर ऊपर चढ़ जाना चाहते हैं और जब कहीं पहुंच जाएं फिर उन्हीं रिश्तों को रौंद डालते हैं। ऐसे में कोई किसी पर कैसे यकीन करे? इन सब चीजों को लेकर रिश्तों की अहमियत खो चुकी है, चाहे वो बच्चों से हो या माता-पिता से या सगे-सम्बन्धी से या दोस्त या फिर पड़ोसी से हो। पति पत्नी में तो आत्मिक रिश्ता कभी दिखता ही नहीं, मन में कड़वाहट भरी होती है लेकिन ऊपर से प्रेम में कमी नहीं होती। वो पुरुष जो दहेज़ लेकर सामान की तरह देख-परखकर विवाह करेगा उसे कैसे कोई स्त्री प्रेम कर सकती है? जन्मजात कन्या से लेकर मृत्यु के द्वार पर खड़ी औरत असुरक्षित होती है। कब वो शारीरिक शोषण का शिकार हो जाए, नहीं मालूम। और ये भरोसा स्त्री का उसके अपने ही घर में अपने ही नज़दीकी रिश्तों द्वारा तोड़ा जाता है। प्रेम, दोस्ती, रिश्ते सबको संदेह की नज़र से देखते हैं। और खुद में इतने सिमट जाते कि खुद पर यकीन नहीं रह जाता कि वो क्या करे कि धोखा न मिले और शायद भरोसा खुद पर से भी उठ जाता है। आत्मविश्वास के साथ ही इंसानी रिश्तों से भरोसा ख़त्म हो जाता है। अब इस दौर में रिश्तों की अहमियत समझकर भरोसा करना सीखें और सम्मान दें।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्र : सरकार से बड़ी उम्मीदें

ललित गर्ग

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है।

घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा। जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे।

मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में

नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं।

कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं।

# देश की प्रगति में रोड़ा बनता मधुमेह

पंकज चतुर्वेदी

मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन और आइसीएमआर के शोध के अनुसार, चिप्स, कुकीज, केक, फ्राइड फूड और मेयोनीज जैसी चीजों के सेवन से डायबिटीज का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। रिसर्च में कहा गया है कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की वजह से भारत डायबिटीज की राजधानी बनता जा रहा है। भारत की कोई 8.29 करोड़ वयस्क आबादी का 8.8 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह की चपेट में है। अनुमान है कि 2045 तक यह संख्या 13 करोड़ से अधिक हो जायेगी। यह वह काल होगा, जब बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ेगी। मधुमेह वैसे तो खुद एक रोग है, पर इससे मरीजों की जेब भी खोखली हो रही है और मानव संसाधन की कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में लोगों ने एक साल में डायबिटीज या उससे उपजी बीमारियों पर सवा दो लाख करोड़ रुपये खर्च किये, जो हमारे सालाना बजट का 10 फीसदी है।

बीते दो दशक में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या में 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी बेहद चिंताजनक है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह रोग फिलहाल चिकित्सा जगत के लिए महज कमाई का जरिया है। दर्जनों किस्म के डायबिटीज मॉनिटर, हजारों किस्म की आयुर्वेदिक दवाएं और नुस्खे बेचे जा रहे हैं। लंदन में यदि किसी को मधुमेह है, तो पूरे परिवार का इलाज निशुल्क है। भारत में ऐसा कोई संवेदनशील नजरिया नहीं हैं। एक अनुमान है कि एक मधुमेह मरीज को औसतन 4,200 से 5,000 रुपये दवा पर खर्च करने पड़ते हैं। यह रोग ग्रामीण, गरीब बस्तियों और तीस साल तक के युवाओं को भी शिकार बना रहा है। डायबिटीज खराब जीवन शैली से उपजने वाला रोग है, तभी बेरोजगारी, अधिक भौतिक सुख जोड़ने की अंधी दौड़ खून में शर्करा की मात्रा बढ़ा ही रही है, कुपोषण, घटिया गुणवत्ता वाला पैक्ड भोजन भी मरीजों की संख्या बढ़ाने का बड़ा कारक है। लेह-लद्दाख पहाड़ी इलाका है, जहां लोग खूब पैदल चलते थे, मेहनत करते थे, सो कभी बीमार नहीं होते थे।

पिछले कुछ दशकों में वहां बाहरी प्रभाव और पर्यटक बढ़े। बाहरी दखल के चलते यहां चीनी का इस्तेमाल होने लगा। अब वहां डायबिटीज जैसे रोग घर कर रहे हैं। दवा कंपनी सनोफी इंडिया के एक सर्वे में डरावने तथ्य सामने आये हैं कि मधुमेह की चपेट में आये लोगों में से 14.4 फीसदी को किडनी और 13.1 को आंखों की रौशनी जाने का रोग लग जाता है, 14.4 प्रतिशत मरीजों के पैरों की धमनियां जवाब दे जाती हैं, जिससे उनके पैर खराब हो जाते हैं तथा लगभग 20 फीसदी लोग दिल की किसी बीमारी के चपेट में आ जाते हैं। इतना ही नहीं, 6.9 प्रतिशत लोगों को न्यूरो यानी तंत्रिका से संबंधित दिक्कतें भी होती हैं। अमेरिकी मानक संस्थाओं ने भारत में रक्त में चीनी की मात्रा को कुछ अधिक दर्ज करवाया है, जिससे प्री-डायबिटीज वाले भी दवाओं के फेर में आ जाते हैं। यह सभी जानते हैं कि एक बार डायबिटीज हो जाने पर मरीज को जिंदगी भर दवा खानी पड़ती है।

मधुमेह नियंत्रण के साथ-साथ रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की दवाएं लेना आम बात है। किडनी बचाने की दवा भी लेनी पड़ती है। जब इतनी दवा लेंगे, तो पेट में बनने वाले अम्ल के नाश के लिए भी दवा जरूरी है, जिसे नियंत्रित करने के लिए कोई मल्टी-विटामिन भी अनिवार्य है। एक साथ इतनी दवाओं के बाद लीवर पर असर पड़ेगा ही। इसमें शुगर मापने वाली मशीनों व दीगर जांचों को तो जोड़ा ही नहीं गया है। दूरस्थ अंचलों की बात तो जाने दें, महानगरों में ही हजारों ऐसे लैब हैं, जिनकी जांच रिपोर्ट संदिग्ध रहती है। प्रधानमंत्री आरोग्य योजना के तहत इलाज की निशुल्क व्यवस्था में मधुमेह जैसे रोगों के लिए जगह नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जरता की बानगी सरकार की सबसे प्रीमियम स्वास्थ्य योजना सीजीएचएस यानी केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा है, जिसके तहत पत्रकार, पूर्व सांसद आदि भी आते हैं। इसके तहत पंजीकृत लोगों में चालीस फीसदी डायबिटीज के मरीज हैं और वे हर महीने केवल नियमित दवा लेने जाते हैं। मरीज डॉक्टर के पास जाता है और उसे किसी विशेषज्ञ के पास भेजा जाता है।

विशेषज्ञ कई जांच लिखता है और मरीज को फिर अपनी डिस्पेंसरी में आकर जांच कराना होता है। फिर विशेषज्ञ के पास जाना होता है। इस प्रक्रिया में कम से कम पांच दिन लगते हैं, लंबी कतार झेलनी होती है। बहुत से मरीज इससे घबरा कर नियमित जांच भी नहीं करवाते। जिला स्तर के सरकारी अस्पतालों में तो जांच से ले कर दवा तक का खर्च मरीज को खुद वहन करना होता है। आज भारत मधुमेह को ले कर बेहद खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। जरूरत है कि इस पर सरकार अलग से नीति बनाये। स्टेम सेल से डायबिटीज के स्थायी इलाज का व्यय महज सवा लाख से दो लाख रुपये है, पर सीजीएचएस में यह इलाज शामिल नहीं है। इस पद्धति को सरकार की विभिन्न योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। बाजार में मिलने वाले पैक्ड और अन्य खाद्य सामग्री की कड़ी पड़ताल हो, योग और कसरत को बढ़ावा देने के अधिक प्रयास हों। ऐसे प्रयास युवा आबादी की कार्यक्षमता बढ़ाने और इस बीमारी से बढ़ती गरीबी के निदान में सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

# होगेनक्कल है भारत का नियाग्रा जलप्रपात

बेंगलुरु से होगेनक्कल जलप्रपात की ड्राइव निस्संदेह एक खूबसूरत अनुभव है। इस यात्रा के दौरान आपको अद्भुत प्राकृतिक दृश्य देखने को मिलते हैं, जो आपकी यात्रा को और भी यादगार बना देते हैं। होगेनक्कल फॉल्स भारत के दो राज्यों की सीमा पर है। तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले और कर्नाटक के चामराजनगर जिले की सीमा पर कावेरी नदी पर यह जलप्रपात स्थित है। पर्यटकों के लिए यह जगह आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां रोमांच पसंद लोग बोटिंग के लिए आते हैं। जिसमें 10 साल से कम उम्र के बच्चों और 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को सवारी की अनुमति नहीं होती है। इसे भारत का नियाग्रा जलप्रपात भी कहा जाता है। होगेनक्कल जलप्रपात की यात्रा प्राकृतिक सौंदर्य और अद्वितीय बोटिंग अनुभव के लिए जानी जाती है, लेकिन यहां की सफाई और अव्यवस्था का भी ध्यान रखना चाहिए। यह स्थान आपको अद्भुत प्राकृतिक दृश्य प्रदान करेगा, लेकिन शांति और स्वच्छता की कमी हो सकती है।

## थीर्थमलाई मंदिर

होगेनक्कल के करीब, आपको तीर्थमलाई का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मिलेगा। तीर्थमलाई का मंदिर आगंतुकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। यहां के देवता भगवान तीर्थगिरीश्वर हैं, जो वास्तव में शिव की अभिव्यक्ति हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब भगवान राम ने रावण को हराया था, तो वह भगवान शिव की पूजा करने के लिए इस मंदिर में गए थे ताकि उन्हें इतने सारे राक्षसों को मारने के अपराध से क्षमा किया जा सके। यही कारण है कि बहुत से लोग सोचते हैं कि इन पवित्र जल में स्नान करने से किसी व्यक्ति को अन्य लोगों के साथ किए गए पापों का प्रायश्चित करने में मदद मिल सकती है।

## हनुमान तीर्थम मंदिर

तीर्थम मंदिर मुख्य मंदिर से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अनुसार पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान राम भगवान शिव को एक अनुष्ठान के लिए पानी लेने के लिए भगवान हनुमान को गंगा नदी में ले गए। जब भगवान हनुमान वापस आने में असफल रहे, तो राम ने एक धनुष को पहाड़ी के पथरीले हिस्से में मार दिया, जिससे पानी नीचे की ओर बहने लगा। कर्नाटक और तमिलनाडु के बॉर्डर पर स्थित होगेनक्कल जलप्रपात, बेंगलुरु से लगभग 180 किलोमीटर की दूरी पर है और धर्मपुरी से 46 किलोमीटर की दूरी पर है।

## अद्भुत है बोटिंग करना

होगेनक्कल में बोटिंग करना एक ऐसा अनुभव है जिसे आप छोड़ नहीं सकते। यहां बोटिंग की लागत 1500 रुपये है जिसमें 4 लोग सवार हो सकते हैं। बोट चलाने वाले को 500 रुपये की टिप देना एक अच्छा रिवाज माना जाता है, क्योंकि वह आपको सुरक्षित और सुखद अनुभव प्रदान करते हैं। गिरते हुए पानी का नजारा बोटिंग के दौरान देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। यह नजारा न केवल शानदार है, बल्कि आपको प्रकृति के करीब लाकर एक अद्वितीय अनुभव भी प्रदान करता है।

## हंसना मना है

मैडम दूध वाले से.. छोरे पैंतीस साल का होने को आया, अब तो शादी कर ले! दूध वाला नहीं नहीं! मैडम क्यों? क्या हुआ? दूध वाला मै रोज सुबह पांच बजे उठ कर घरों में दूध देने जाता हूं, उस वक्त इन औरतों का ओरिजिनल चेहरा देख कर मेरी तो शादी करने कि हिम्मत ही नहीं होती?

रमेश के पास रात को सांताक्लॉज आया और बोला- कोई विश मांगो, रमेश बोला- मेरी बीवी झगड़ा बहुत करती है कोई दूसरी बीवी दिलवा दो, सांताक्लॉज ने रमेश को बहुत मारा, फिर पता चला रमेश की बीवी ही सांताक्लॉज बन के आयी थी, सावधान रहें, सतर्क रहे?

बंता ने हजामत की दुकान खोली। एक ग्राहक शेव कराने आया। बंता- मूंछ रखनी है? ग्राहक- हां। बंता ने ग्राहक की मूंछ काट कर उसके हाथ में देते हुए बोला- लो रख लो, जहां रखनी है।

भिखारी- ऐ भाई एक रुपया देदे, तीन दिन से भूखा हूं। राहगीर- तीन दिन से भूखा है तो एक रुपए का क्या करेगा..? भिखारी- वजन तोलूंगा कितना घटा है..!!

## कहानी — राजधर्म और तपस्या का फर्क

सम्राट भरत, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनके नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा, वे बड़े प्रतापी और सुयोग्य शासक थे। राजा भरत शासन करते हुए भी कठोर तपस्या किया करते थे जिससे उनका शरीर दुर्बल हो गया था। एक बार एक किसान उनके पास आया और पूछने लगा, महाराजा आप चक्रवती सम्राट हैं करोड़ो लोगों की रक्षा और निर्वाह की व्यवस्था आपको करना पड़ता है। ऐसी दशा में आप तपस्या कैसे कर पाते हैं? राजा भरत ने तेल से भरा हुआ कटोरा उसके हाथ में दिया और अपने कुछ सिपाही उसके साथ करते हुए कहा कि इस कटोरे को हाथ में लेकर तुम हमारी सेना को देखन जाओ। मेरे सिपाही तुमको सब चीज दिखलाएंगे, लेकिन एक बात का ध्यान रखना कि कटोरे से तेल की एक बूंद भी बाहर गिरना नहीं चाहिए। अगर तेल गिर गया तो तुमको मृत्युदंड दिया जाएगा। सिपाही किसान को सेना दिखाने लेकर गए। वहां पर हजारों हाथी, अनगिनत घोड़े, तरह-तरह के अदभुत अस्त्र-शस्त्र भरे हुए थे। किसान सबको देखता तो रहा, लेकिन उसका ध्यान पूरे समय तेल से भरे कटोरे पर ही रहा कि कहीं उसमें से तेल गिर न जाए। किसान सब जगह घूमकर फिर से महाराज भरत के पास आया तो उन्होंने किसान से पूछा, तुम सेना देख आए हो? अच्छा बताओ तुम्हें क्या अच्छा लगा। उसमें से किस चीज को पाने की इच्छा तुमको हुई? किसान ने कहा कि महाराज मैने देखा तो सब कुछ, लेकिन मेरा ध्यान कहीं नहीं अटका। मेरा ध्यान तो इस कटोरे की तरफ ही लगा हुआ था। यह सुनकर राजा भरत ने कहा कि इसी तरह राज्य कार्य करते हुए मेरा ध्यान मेरी आत्मा में लीन रहता है।

## 7 अंतर खोजें

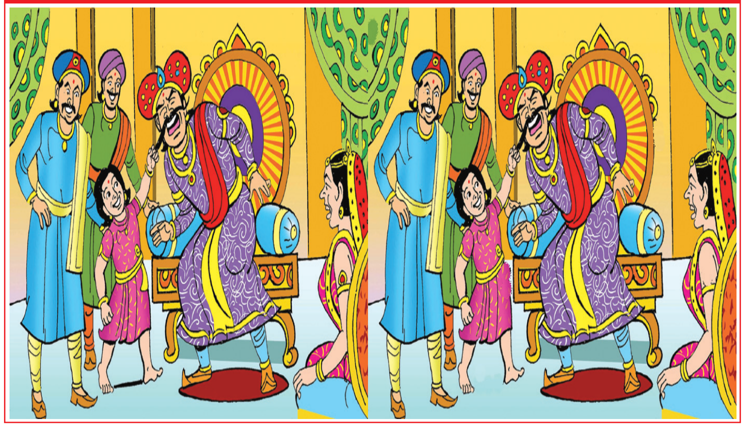

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। समय अनुकूल है। यात्रा लाभदायक रहेगी।

**वृषभ** विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**मिथुन** यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

**कर्क** किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

**सिंह** धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

**कन्या** विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं।

**तुला** कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**वृश्चिक** किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

**धनु** कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

**मकर** कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**कुम्भ** लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

**मीन** भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

# पुष्पा-2 में दिखेगा श्रद्धा कपूर का आइटम सॉन्ग

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 को लेकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटिड है। जो 6 दिसंबर 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर हर दिन कई तरह की खबरें सामने आती हैं। वहीं अब कहा जा रहा है कि इसमें बॉलीवुड की एक हसीना भी अपने डांस मूव्स से आग लगाने वाली हैं।

दरअसल 'पुष्पा 2' को लेकर ये खबर सामने आई है कि इसमें बॉलीवुड की 'स्त्री' यानि श्रद्धा कपूर की भी एंट्री होने जा रही है। जानकारी के अनुसार श्रद्धा कपूर स्त्री 2 में धमाल मचाने के बाद अब पुष्पा 2 में अपना सिजलिंग अवतार दिखाने वाली हैं। साल 2021 में रिलीज हुई पुष्पा 1 में साउथ हसीना सामंथा रुथ प्रभु का आटइम नंबर था। अब कहा जा रहा है कि श्रद्धा ने अपनी चार्मिंग लुक और पॉपुलैरिटी से सामंथा को रिप्लेस कर दिया है। फिल्म के पार्ट 2 में अल्लू अर्जुन के साथ श्रद्धा कपूर का एक सिजलिंग आइटम सॉन्ग होने वाला है। हालांकि अभी तक इसपर मेकर्स और एक्ट्रेस का कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु को ह्श Antava Mawa के लिए 5 करोड़ रुपए की भारी भरकम फीस दी गई। वहीं अब ये देखना दिलचस्प होगा कि श्रद्धा को इस डांस नंबर के लिए कितने करोड़ मिलते हैं। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की 'पुष्पा 2' 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी। जिसमें इस बार अल्लू का और भी ज्यादा खूंखार अवतार देखने को मिलेगा। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की 'पुष्पा 2' 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी। जिसमें इस बार अल्लू का और भी ज्यादा खूंखार अवतार देखने को मिलेगा। वहीं बात करें श्रद्धा कपूर की तो एक्ट्रेस हाल ही में 'स्त्री 2' में नजर आई थी। जिसने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर बवाल मचा दिया था।

बॉलीवुड | मन की बात

# असल जीवन नहीं है सोशल मीडिया की जिंदगी : काजोल

काजोल और अजय देवगन बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक हैं। कपल की तरह उनके बच्चे भी काफी लोकप्रिय हैं। लाइमलाइट से दूर होने के बाद भी किसी न किसी इवेंट में काजोल अपने परिवार के साथ स्पॉट हो ही जाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी अपनी जिंदगी से जुड़ी जानकारियां अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब हाल ही में, एक साक्षात्कार में, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग की घटना और इस समस्या से निपटने के तरीके के बारे में बात की है। हाल ही में, एक साक्षात्कार में काजोल ने कहा, मैं आभारी हूं कि मैंने सोशल मीडिया के बिना पूरी जिंदगी जी है। मैं छह साल पहले ही सोशल मीडिया पर आई हूं। साथ ही, यह असल जीवन नहीं है। आप रेड कार्पेट पर मेरी तस्वीर देखेंगे, लेकिन आप यह नहीं देखेंगे कि मैं तैयार होने के लिए सुबह 5 बजे उठी, रात 11.30 बजे थकी हुई वापस आई और अगली सुबह, मैं काम पर वापस आ गई। अभिनेत्री ने आगे कहा, आप बस इसका एक स्नैपशॉट देख रहे हैं। सच्चाई यह है कि हम भी बाकी लोगों की तरह ही कड़ी मेहनत करते हैं, हमारे अच्छे और बुरे दिन होते हैं, और फिर भी, जब आप पोस्ट करते हैं, तो आप मुस्कुराते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर जांच-पड़ताल और एक सार्वजनिक व्यक्ति होने का अपना स्थान है। काजोल ने कहा, मेरे पास इसे देखने का थोड़ा अलग तरीका है, जब लोग आपसे बहुत प्यार करते हैं, तो उन्हें यह भी लगता है कि उन्हें आपसे उतनी ही नफरत करने का अधिकार है। इसलिए, मैं यह नहीं कहूंगी कि वे सही हैं, लेकिन सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते हमें इससे निपटना पड़ता है। काजोल अगली बार दो पत्ती, महारानी और सरजमीन में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार द ट्रायल और नेटफ्लिक्स इंडिया पर एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज 2 के एक सेगमेंट में देखा गया था।

# रईस के लिए शाहरुख की सास ने माहिरा खान का सुझाया था नाम

शाहरुख खान के साथ हर एक्ट्रेस काम करना चाहती है। उनके साथ रोमांस करने का ख्वाब देखती है। लेकिन अगर यह मौका खुद चलकर सामने से आए तो किसी भी एक्ट्रेस के लिए यह बहुत बड़ी बात होगी। ऐसा ही कुछ पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिर खान के साथ भी हुआ। दरअसल, फिल्म रईस में उनकी कास्टिंग शाहरुख खान की सास के कारण हुई। हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म रईस के डायरेक्टर राहुल ढोलकिया ने माहिरा खान के सेलेक्शन के बारे में बताया। वह कहते हैं, हम फिल्म रईस के लिए शाहरुख के अपोजिट हीरोइन की तलाश कर रहे थे। इसी बीच शाहरुख खान की सास ने हमें माहिरा खान का नाम सुझाया। उन्होंने कहा यह अच्छी लड़की है। असल में शाहरुख की सास काफी पाकिस्तानी सीरियल दिखती थीं। इस तरह से हमें अपनी फिल्म रईस के लिए माहिरा खान के तौर पर हीरोइन मिल गई।

फिल्म में काम करने को लेकर माहिर खान उस समय काफी खुश थी लेकिन उन्हें घबराहट भी थी कि दर्शक शाहरुख और उनकी जोड़ी को पसंद भी करेंगे या नहीं? इस पर शाहरुख ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि दोनों की जोड़ी पर्दे पर कमाल की लगेगी। बाद में यह बात सच भी साबित हुई। दर्शकों ने फिल्म रईस में शाहरुख और माहिर खान की जोड़ी को खूब सराहा।

माहिर खान को जब फिल्म रईस में काम करने का मौका मिला था, उनकी भी खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। यह उनके लिए बतौर एक्ट्रेस बहुत बड़ी बात थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में माहिर ने कहा कि उन्होंने शाहरुख से एक अहम सबक सीखा कि खुशियों को मौका दो।

# इस देश में दीपावली पर की जाती है कुत्तों की पूजा दी जाती है दावत, 5 दिनों तक चलता है त्योहार

भारत में दीपावली का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार दीपावली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी। 5 दिन के इस रोशनी के त्योहार के दौरान लोग नए-नए कपड़े पहनते हैं। घरों को दीयों से रोशन किया जाता है। बता दें धर्म ग्रन्थों के अनुसार, भगवान राम इस दिन 14 वर्षों के वनवास के बाद और रावण का वध कर अयोध्या वापस लौटे थे। भगवान राम के वापस लौटने की खुशी में दीपक जलाए गए थे। इसी वजह से इस दिन दीपक जलाने की परंपरा है, जो सदियों से चली आ रही है। लेकिन क्या आपको पता है कि नेपाल में भी इस त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है लेकिन वहां इस त्योहार से जुड़ी हुई परंपराएं अलग हैं। नेपाल भी हिंदु बाहुल्य देश है और यहां भी हिंदुस्तान की तरह कई हिंदू त्योहार मनाए जाते हैं। नेपाल में इस त्योहार को दीपावली के बजाय तिहार कहा जाता है। तिहार यानि दीपावली के दिन नेपाल में भी दीये और मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। लोग नए कपड़े पहनते हैं और एक-दूसरे को बधाई देते हैं। नेपाल में भी भारत की ही तरह दीपावली 4-5 दिन का त्योहार होता है।

तिहार के अगले ही दिन यहां कुकुर तिहार मनाया जाता है। इस मौके पर देश के कुत्तों की मौज रहती है, क्योंकि लोग उनकी पूजा करते हैं। इसें 'कुकुर तिहार' कहा जाता है। कुकुर तिहार के मौके पर नेपाल में कुत्तों की पूजा की जाती है। उन्हें माला पहनाकर तिलक भी लगाया जाता है। कुत्तों के लिए खास व्यंजन बनाए जाते हैं और उन्हें खाने को दिए जाते हैं। अंडा-दूध और दही खिलाकर कुत्तों को दावत दी जाती है। नेपाल में ऐसा माना जाता है कि कुत्ते यम देवता के संदेशवाहक होते हैं। ऐसे में नेपाल के लोग कुकुर तिहार पर कुत्तों की पूजा करते हुए कामना करते हैं कि वे हमेशा उनके साथ बने रहें। नेपाल में लोगों का मानना है कि कुत्ते मरने के बाद भी अपने मालिक की रक्षा करते हैं। ऐसे में उन्हें दावत देकर संतुष्ट किया जाता है। नेपाल में दीपावली के 5 दिनों में बैल, गाय और कौओं की भी पूजा का रिवाज है। एक-एक दिन इन जानवरों की पूजा के लिए डेडिकेट किया जाता है।

अजब-गजब | इस बात को जानकर हो जायेंगे हैरान

# अधिकतर प्लेन क्यों होते हैं सफेद दूसरे रंग से क्यों नहीं करते पेंट?

जब आप एयरपोर्ट पर अपनी फ्लाइट पकड़ने जाते होंगे और अपने एंट्री गेट पर खड़े होकर प्लेन आने का इंतजार करते होंगे, तो आपकी नजर रनवे पर पार्क प्लेन्स पर जरूर जाती होगी। उन सभी प्लेनों में एक बात समान होती है। वो है उस प्लेन का रंग। अधिकतर प्लेन्स आपको सफेद रंग के ही नजर आएंगे। हालांकि, कभी-कभी कुछ प्लेन्स दूसरे रंगों के भी दिख जाते हैं, मगर आमतौर पर हवाईजहाजों का रंग सफेद ही होता है। क्या आपको इसका कारण पता है?

ट्रैवल एंड लेज़र वेबसाइट के अनुसार पूर्व पायलट और अब यूनिवर्सिटी ऑफ नेवादा, लास वेगास में प्रोफेसर डैन बब ने इसके बारे में गहराई से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपने कई कारों में धूप में पार्क हुए देखा होगा। जब आप घंटों से धूप में खड़ी कार के अंदर घुसते होंगे, तो गर्मी से आपको बहुत परेशानी होती होगी और गर्मी भी बहुत ज्यादा लगती होगी। उसके बाद आपको अंदर एसी चालू करना पड़ता होगा, तब जाकर कार नॉर्मल होती होगी। इसी तरह प्लेन पर भी असर पड़ता है। धूप में रहने पर प्लेन गर्म हो जाता है, जिससे उसकी एलुमिनियम बॉडी डैमेज हो सकती है और गर्मी से लोगों को अंदर बैठना मुश्किल हो सकता है। आपतो जानते ही होंगे कि जितना गहरा रंग होगा, वो उतना ज्यादा गर्मी सोखेगा। सफेद रंग धूप को ज्यादा रिफ्लेक्ट करता है। इसी वजह से गर्मी के दिनों में इंसान भी हल्के रंगों के कपड़े पहनते हैं, जिससे उन्हें कम गर्मी लगे।

रिपोर्ट के अनुसार शुरुआती वक्त में प्लेन सफेद नहीं हुआ करते थे। तब कई प्लेन्स की एलुमिनियम बॉडी दिखाई जाती थी। पर 1970 के दशक में ट्रेंड बदलने लगा। एविएशन से जुड़े इतिहासकार शिया ओक्ली ने कहा कि सबसे पहले 1976 में एयर फ्रांस ने सफेद पेंट वाले प्लेन्स को पेश किया और उनकी नकल कर अन्य विमान कंपनियों ने भी प्लेन को सफेद करना शुरू कर दिया। आपको बता दें कि विज्ञान के हिसाब से ये जरूरी नहीं है कि प्लेन को सफेद ही रखा जाए। हालांकि, प्लेन के डिजाइनर्स बताते हैं कि एयरोडायनैमिक फ्रिक्शन और प्लेन पर सूर्य के असर की वजह से काफी गर्मी पैदा हो जाती है, जिससे प्लेन पर बुरा असर पड़ता है। इस वजह से सफेद रंग रखना ही बेहतर माना जाता है।

# मुझे नहीं पता दादा दिल्ली क्यों गये : सुप्रिया

## कसा तंज- मैं सिर्फ एक अजित को जानती हूं, जिन्हें दिल्ली जाना पसंद नहीं

### » सीटों के बंटवारे के लिए महायुति गठबंधन के नेता भाजपा नेतृत्व से चर्चा के लिए कर रहे दिल्ली का दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव तारीख का एलान हो चुका है और मतदान में अब सिर्फ करीब एक महीने का वक्त बचा है, लेकिन अभी तक महाराष्ट्र के दोनों गठबंधनों में सीटों के बंटवारे का आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। सीटों के बंटवारे के लिए महायुति गठबंधन के नेता भाजपा नेतृत्व से चर्चा के लिए दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। एनसीपी प्रमुख अजित पवार के बार-बार दिल्ली जाने पर अब उनकी चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले ने तंज कसा है। अजित पवार अपनी पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल के साथ मंगलवार को भी दिल्ली दौरे पर थे।

दरअसल सुप्रिया सुले बारामती के दौरे पर हैं, इस दौरान सुले ने कहा कि मुझे सिर्फ एक अजित दादा याद हैं, जिन्हें दिल्ली जाना पसंद नहीं था। मुझे नहीं पता कि वे दिल्ली क्यों गए, क्योंकि मैं महीनों से उनसे संपर्क में नहीं हूं और मैं यह जवाब नहीं दे पाऊंगी कि वे दिल्ली क्यों गए।

गौरतलब है कि अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के सौदे को अंतिम रूप दे दिया है। बता दें कि मुंबई में भाजपा और शिवसेना के नेताओं के बीच बैठक में अजित पवार और उनकी पार्टी का कोई नेता मौजूद नहीं था। जब इसे लेकर सवाल किया गया तो अजित पवार ने कहा कि, भाजपा और शिवसेना के बीच कुछ सीटों पर निर्णय लिया जाना है, ऐसे में मेरे बैठक में शामिल होने का कोई कारण नहीं था। सत्तारूढ़ गठबंधन के किसी भी नेता ने अभी तक सीट बंटवारे को लेकर आधिकारिक एलान नहीं किया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से भाजपा 156 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जबकि शिवसेना 78 सीटों पर लड़ सकती है और एनसीपी को चुनाव लड़ने के लिए 54 सीटें मिल सकती हैं।

### भाजपा नेता गणेश नाईक के बेटे ने थामा शरद पवार का दामन

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में घरानेशाही का बोलबाला है। कहीं, पिता से अलग होकर पुत्र दल बदल रहे हैं तो कहीं स्थानीय नेता चुनाव लड़ने के लिए विरोधी पार्टियों का रुख कर रहे हैं। इस आया राम-गया राम के खेल में भाजपा को सबसे ज्यादा झटका लगा है। भाजपा के दो दिग्गज नेताओं के पुत्रों ने चुनाव लड़ने के लिए यह हथकंडा अपनाया है। मंगलवार को भाजपा को पहला झटका नवी मुंबई से लगा है। वहीं, कोकण के सिंधुदुर्ग में भाजपा के बड़े नेता के पुत्र का शिवसेना में प्रवेश निश्चित हुआ है। नवी मुंबई में भाजपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री गणेश नाईक के पुत्र संदीप नाईक मंगलवार को शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) में शामिल हो गए। पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर संदीप नाईक ने पहले पत्र भेजकर पार्टी के जिलाध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया और शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो गए।

### बैठक के बाद एक्शन में आई ममता सरकार

# डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए टास्क फोर्स का किया गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जूनियर डॉक्टरों के साथ पश्चिम बंगाल सरकार के बैठक के बाद ममता सरकार एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। जहां मंगलवार को राज्य में डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। इस मामले में एक अधिसूचना में बताया गया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जूनियर डॉक्टरों से एक बैठक के दौरान इस तरह के उपाय का वादा किया था। जिस बात को ध्यान में रखते हुए टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

ममता सरकार के द्वारा डॉक्टरों के सुरक्षा के लिए बनाए गए टास्क फोर्स मुख्य सचिव मनोज पंत टास्क फोर्स के अध्यक्ष होंगे। जबकि गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार, स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम और कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा इसका हिस्सा होंगे। इस मामले में मनोज पंत द्वारा हस्ताक्षरित एक आदेश में कहा गया है कि राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की प्रतिबद्धता के अनुसरण में और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की सुरक्षा और शिकायतों के मद्देनजर, राज्य सरकार एक राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन करती है। इसके साथ ही इसमें उल्लेख किया गया है कि वरिष्ठ और जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के दो प्रतिनिधि, छात्रों से एक महिला नामित और राज्य स्तरीय शिकायत निवारण समिति से एक प्रतिनिधि होगा। आदेश में कहा गया है राज्य स्तरीय टास्क फोर्स स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी।

### पुणे पुलिस ने पकड़ी नोटों से भरी गाड़ी, राउत बोले-

# यह शिंदे के लोगों के लिए पहली किस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। जिसको पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराने के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह सतर्क है। आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए पुलिस भी चुनाव आयोग का पूरा समर्थन कर रही है। इसी क्रम में पुणे ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रुपयों से भरी एक कार पकड़ी है। इसमें से पुलिस ने पांच करोड़ की नकदी भी जब्त की। वहीं, अब इसे लेकर सियासत तेज हो गई है। इसे लेकर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने सत्ताधारी शिवसेना पर निशाना साधा है।

संजय राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक की गाड़ी से बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि कल, दो गाड़ियां थीं जिनमें लगभग 15 करोड़ रुपये थे। जैसा कि मैंने पहले कहा था, एकनाथ शिंदे ने अपने लोगों से उन्हें जीतने के लिए 50-50 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। यह 15 करोड़ की पहली किस्त थी। मौके पर दो गाड़ियां थी, एक फोन आने के बाद एक गाड़ी को छोड़ दिया गया,क्योंकि जो इंस्पेक्टर वहां ड्यूटी पर था वह पहले राज्य के लगभग 150 विधायकों की सेवा में था।

# रेडियो में आवाज दिल से न आए तो प्रोग्राम सिर्फ स्क्रिप्ट रह जाती है: अनवारुल हसन

### » युवाओं ने सीखे वेब रेडियो आडिओ प्रोडक्शन टेक्निक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज द्वारा दो दिवसीय वर्कशॉप का शुभारम्भ चांसलर इंजीनियरिंग पंकज अग्रवाल, प्रो-चांसलर इंजीनियरिंग पूजा अग्रवाल, कुलपति प्रोफेसर विकास मिश्रा और कुलसचिव प्रोफेसर नीरजा जिंदल की उपस्थिति में सोमवार को किया गया। 'वेब रेडियो आडिओ प्रोडक्शन टेक्निक्स' विषयक इस वर्कशॉप में मुख्य वक्ता के रूप में ऑल इन्डिया रेडियो के आरजे अनवारुल हसन उपस्थित रहे।

इस मौके पर हसन ने कहा कि रेडियो सभी श्रव्य माध्यमों की जननी है, रेडियो की विधाएं कितनी भी विकसित हो जाएं, पारंपरिक रेडियो एक पिलर की तरह खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि रेडियो के लिए बोलते समय आवाज का दिल से आना बेहद जरुरी है, यदि आवाज दिल से न आये तो प्रोग्राम सिर्फ एक स्क्रिप्ट बन कर रह जाएगी और रेडियो हमें यह नहीं सिखाता। कार्यक्रम के इस मौके पर इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज से डायरेक्टर डॉ.पी.सी.मिश्रा, एसआरएमयू वेब रेडियो कोर्डिनेटरसंदीप सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. ध्वनि सिंह, राहुल चतुर्वेदी, डॉ. अन्दलिप जेहरा, उमा राजे ओझा, डॉ. प्रगति त्रिपाठी, डॉ. दीप्ती सिंह, अनुज कुमार, निर्मल कुमार वर्मा, शिवांगी पाठक, पूजा तिवारी, निर्मल कुमार वर्मा और राहुल यादव, संतोष कुमार शर्मा समेत सभी विभागों एवं संस्थानों के वेब कोर्डिनेटर और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# गंभीर और रोहित ने किया पिच का निरीक्षण

### » तीन मैचों की सीरीज में कीवी टीम 1-0 से है आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## पुणे में दूसरा टेस्ट मैच कल से

पुणे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम पिच का निरीक्षण किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाना है। कीवी टीम फिलहाल भारत से सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है।

न्यूजीलैंड ने भारत को बंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए पहले मुकाबले में आठ विकेट से हराया था और 36 साल बाद भारतीय जमीन पर कोई टेस्ट मैच जीता था। भारतीय टीम पर सीरीज में वापसी करने का दबाव होगा क्योंकि टीम पर 11 साल में घर पर पहली टेस्ट सीरीज हारने का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों ने मैच से पहले मंगलवार को अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया था। दूसरे टेस्ट मैच से पहले गंभीर और रोहित को अन्य सहायक स्टाफ के साथ पिच का निरीक्षण करते देखा गया था। माना जा रहा है कि पुणे की पिच स्पिनरों के मददगार वाली होगी। वहीं ऋषभ पंत के चोटिल होने से टीम प्रबंधन को संयोजन भी देखना होगा। पंत बंगलुरू टेस्ट के दूसरे दिन विकेटकीपिंग करते वक्त चोटिल हो गए थे और दो दिन तक मैदान पर नहीं उतरे थे। हालांकि, चौथे दिन दूसरी पारी में वह बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने सरफराज खान के साथ मिलकर शानदार साझेदारी की थी। अब देखना होगा कि पंत दूसरे टेस्ट के लिए फिट हैं या नहीं।

### राहुल में बड़ा स्कोर करने की क्षमता : गौतम गंभीर

टीम में केएल राहुल को जगह मिलेगी या नहीं, यह पूछे जाने पर मैच से पहले गंभीर ने कहा, सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है ये मायने नहीं रखता। टीम प्रबंधन और नेतृत्व समूह क्या सोचता है, यह जरूरी है। केएल राहुल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और उन्होंने कठिन पिच पर बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में सधी हुई पारी खेली थी। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में राहुल ने 68 रन बनाए थे। गंभीर ने कहा, मुझे यकीन है कि राहुल को पता होगा कि उन्हें बड़े स्कोर करने होंगे और उनके पास ऐसा करने की क्षमता है। इसलिए उन्हें टीम का समर्थन रहता है। सभी लोग जज करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का मतलब ही आंका जाना है।

# बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर को कार में फूंका

## अपराधों पर लगाम लगाने में नाकाम योगी सरकार

» संजय यादव की 5 लाख के लेन-देन के चलते हुई हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

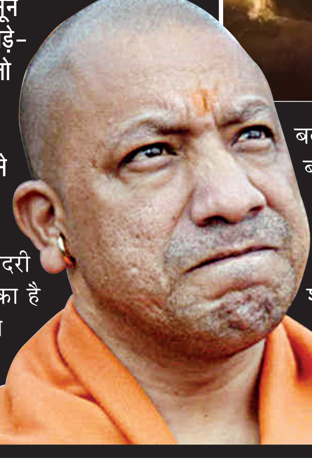

लखनऊ। यूपी में कानून व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे है, इन दिनों यूपी में क्राइम को लेकर बाढ़ आ गई है। लगभग रोज ही अपराधी किसी न किसी बड़ी घटना को अंजाम दे रहे हैं या फिर यूपी की पुलिस के ही बड़े कारनामें प्रदेश की कानून व्यवस्था को तार-तार कर रहे हैं। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंचों से यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं तो दूसरी तरफ अपराधी घटनाओं को अंजाम देकर उन्हें मुंह चिढ़ाने का काम कर रहे हैं।

ताजा मामला ग्रेटर नोएडा की दादरी कोतवाली इलाके का है जहां से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बता दें कि यहां बदमाशों ने पहले प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की फिर मृतक के शव को उसकी ही फॉर्च्यूनर कार में जलाकर दर्दनाक हत्या कर दी। मृतक की पहचान गाजियाबाद के रूप में हुई है जो कि अपने दो साथियों के साथ अपने साइड पर गया था। देर रात उसकी हत्या कर शव को फॉर्च्यूनर कर में जलाकर उसे हादसा बनाने का आरोपियों ने प्रयास किया था। घटना की जानकारी के मुताबिक मृतक की कार रोड से लगभग 100 मीटर अंदर झाड़ियों में मिली जहां ज्वैलरी को लेकर साथियों से विवाद हुआ था जिसके उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है, पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक कार का रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 14 जीसी 3609 है और इसमें जले हुए शव की पहचान संजय यादव, निवासी नेहरू नगर गाजियाबाद के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और गाड़ी की आग बुझाकर शव को बाहर निकाला। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या की गई है और बाद में कार में आग लगाई गई. फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल की जांच की गई है. संजय यादव के परिजनों ने बताया कि वह गाजियाबाद से साइट पर जाने के लिए निकला था।

**यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त**

### पुलिस ने मृतक के दो दोस्तों को हिरासत में लिया

मृतक के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी जिसके आधार पर पुलिस ने दो अभियुक्तों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए दोनों युवक मृतक के दोस्त बताए जा रहे हैं। मामले में ज्वैलरी के लेन-देन को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है। पुलिस सभी संभावित एंगल से जांच कर रही है और हर पहलू को गहराई से खंगाल रही है। पुलिस ने इस मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और जल्द ही सच्चाई का पता चलने की उम्मीद है।

### संजय यादव की मौत से परिजनों में मचा कोहराम

संजय यादव की हत्या की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, परिजनों के मुताबिक संजय की किसी से कोई रंजिश नहीं थी, उन्होंने बताया कि हत्या की वजह 5 लाख का लेनदेन बताया। जो कि संजय ने आरोपियों को उधार दे रखे थे, यही नहीं आरोपियों ने संजय की हत्या करने के बाद उनके कीमती आभूषण भी निकाल लिए और जब हत्या के बाद शव को जलाने लगे तो उसी दौरान आरोपी भी आग से झुलस गए इसी के चलते वो मौके से फरार हो गए।

# यूपी को बड़ा संदेश 'सत्ताईस का सत्ताधीश' होंगे अखिलेश?

## » 'सत्ताईस का सत्ताधीश' से 'बटेंगे तो कटेंगे' पर पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने की घोषणा के साथ यूपी में भी उपचुनावों की घोषणा कर दी गई है। जिसके बाद से मुंबई से लेकर यूपी तक सियासत गर्म है जिसको लेकर वार-पलटवार जारी है। इसी बीच यूपी में अब पोस्टर वार शुरु हो गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपा कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पोस्टर से 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा संदेश देते हुए अखिलेश यादव की फोटो लगाते हुए बड़े अक्षरों में लिखा गया है कि सत्ताईस का सत्ताधीश'।

बता दें कि मंगलवार को मुंबई में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कटेंगें तो बटेंगे नारे वाला पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस पोस्टर को लेकर विपक्ष ने बीजेपी पर जमकर हमला किया। उसी की काट निकालते हुए सपा कार्यकर्ताओं ने आज अखिलेश यादव को लेकर ये पोस्टर जारी किया तो ये पोस्टर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने लगा। समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री बीते 2024 चुनाव के बाद से पार्टी के विस्तार के लिए पूरे देश के सपा कार्यकर्ताओं का जोश हाई करने में लगे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद सपा सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव भी लड़ रही है। इसी क्रम में महाराष्ट्र में भी समाजवादी पार्टी इस बार पूरी दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। अखिलेश यादव का अब अगल लक्ष्य समाजवादी पार्टी को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने का है। इसी को लेकर सपा लगातार मजबूती के साथ राज्यों में चुनाव लड़ रही है। उनके जोश को देखते हुए अब इसका असर उनके कार्यकर्ताओं पर भी पड़ता नजर आ रहा है। पार्टी कार्यकर्ता पूरे जोश में दिख रहे हैं। इसी बीच पार्टी के एक नेता ने अखिलेश यादव को सत्ताईस का सत्ताधीश बनाकर पोस्टर लगवा दिया है। जो इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है।

### अखिलेश के जन्मदिन पर लगा पोस्टर

पोस्टर पर 卐त्वं जीव शतं वर्धमानः जीवनं तव भवतु सार्थकम् इति सर्वदा मुदं प्रार्थयामहे जन्मदिवसस्य अभिनन्दनानि卐 लिखा है। जिसका अर्थ है। कि आप 100 वर्ष जिओ। आपका जीवन उद्देश्यपूर्ण हो और खुशियों से भरा रहे। हम सभी आपके लिए प्रार्थना करते हैं। जन्मदिन की ढेरों बधाइयां। इस पोस्टर को लगवाने के पीछे की मुख्य वजह उनका जन्म दिन बताया जा रहा है। पोस्टर के अनुसार अखिलेश यादव का वास्तविक जन्मदिन 23 अक्तूबर को है।

# जोन 4 नगर निगम का काला कारनामा उजागर

## » नगर आयुक्त के सपने पर पानी फेर रहे हैं जोन 4 के अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में एक ओर नगर निगम के ऊपर करोड़ की देनदारी का बोझ है वहीं उसके कर्मचारी हाउस टैक्स को लेकर बड़ा खेल कर खजाने को और खाली कर अपनी जेबें भर रहे हैं। ताजा मामला नगर निगम के जोन 4 का है जहां सालों पुरानी बनी हुई तमाम ऐसी कमर्शियल बिल्डिंग है जिनका हाउस टैक्स सालों से बकाया चल रहा है और अधिकारी पूरी बिल्डिंग का टैक्स दो आईडी पर निपटा कर बड़ा खेल कर रहे हैं।

बता दें कि टैक्स सुप्रीटेंडेंट आरआई की मिलीभगत से खरगापुर सरसंवा में एक पूरी बिल्डिंग का टैक्स दो आई डी पर निपटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक जानकारी मिली टैक्स सुप्रीटेंडेंट अनुराग उपाध्याय वार्ड के आरआई ने ऐसे कई असेसमेंट करें है, जिसकी भनक नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्त तक को नहीं लगी। यही वजह है कि 5 लाख के ऊपर की फाइल नगर निगम सीटीओ के कमरे तक पिछले सालों नहीं आ रही है। क्योंकि बड़े-बड़े मामले खुद टैक्स सुप्रीटेंडेंट आरआई मिलकर हजम कर ले रहे है। वहीं अगर इस तरह से अगर जोन 4 भ्रष्टाचार होता रहा तो नगर आयुक्त का सपना 1 हजार करोड़ का शायद कभी पूरा नहीं हो सकेगा। जोन 4 में सबसे ज्यादा कमर्शियल बिल्डिंग है जिसके चलते आराम से धड़ल्ले से घोटाले करके टैक्स सुप्रीटेंडेंट और आरआई मिलकर अपनी जेबें भरने का काम कर रहे है।

> इस पूरे घोटाले को लेकर जब जोनल अधिकारी जोन 4 इस बार में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जोनल अधिकारी जोन 4 संजय यादव का बयान इसकी जांच कराई जाएगी साथ ही किस परिस्थितियों में किया गया है ये भी देखा जाएगा।
> संजय यादव

फोटो:4 पीएम

**धरना** शहीद स्मारक पर पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संयुक्त मोर्चा के समर्थकों ने किया प्रदर्शनकर सरकार से बड़ी मांग की।

## एमआई ग्रूप के 16 ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एमआई बिल्डर पर बुधवार को इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की है। सूत्रों के मुताबिक ग्रूप के कादिर अली के करीब 16 ठिकानों पर आईटी ने जबरदस्त छापेमारी की है।** टैक्स चोरी समेत फंडिंग को लेकर पूछताछ और जांच जारी है। वहीं इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। छापेमारी की ये कार्रवाई गोमती नगर आवास, ऑफिस, एमआई रशेल कोर्ट में चल रही है।

फोटो:4 पीएम

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।